लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला
दिनांक 3.10.2019 पृष्ठ सं 6 कॉलम 1-6

स्वास्थ्य के लिए जैविक खेती समय की मांग : डीसी

एचएयू ने 150 एकड़ में देश के पहले जैविक उत्कृष्ट केंद्र की स्थापना की, पलम की काला अमृतसरी किस्म का किया पौधरोपण

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित दीनदयाल उपाध्याय जैविक उत्कृष्ट केंद्र में जैविक फलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए लगातार विभिन्न फलों के पौधे रोपित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की अध्यक्षता में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के उपलक्ष्य में पलम की काला अमृतसरी किस्म के जैविक बाग का पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर डीसी अशोक कुमार मीणा मुख्य अतिथि तथा एसपी शिवचरण शर्मा विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित हुए।

डीसी अशोक कुमार मीणा ने कहा कि आज जैविक खेती समय की मांग है। आज के समय में पेस्टीसाइड व केमिकल फर्टिलाइजर के अधिक व अनावश्यक प्रयोग के कारण हमारे खाद्य पदार्थों में भी जहरीले तत्व पाए जा रहे हैं, जिनसे हमारे स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है। इन केमिकल्स के दुष्प्रभाव से बचने के लिए विश्वविद्यालय ने लगभग 150 एकड़ में अपनी तरह के देश के पहले जैविक उत्कृष्ट केंद्र की स्थापना की है। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि पेस्टीसाइड व केमिकल फर्टिलाइजर के दुष्प्रभाव से मनुष्य के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ने के साथ-साथ पर्यावरण व मृदा व जल दूषित हो रहा है, जिससे जानलेवा बीमारियां दिनोंदिन बढ़ती जा रही हैं। डीसी व एसपी ने दीनदयाल उपाध्याय जैविक उत्कृष्ट केंद्र का दौरा किया तथा केले के बाग में लगे हुए फलों का निरीक्षण किया। उन्होंने जीवामृत, घनजीवामृत व नीमास्त्र बनाने की विधि के बारे में भी जानकारी ली। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के ओएसडी, रजिस्ट्रार, डीन, डायरेक्टर, संपदा अधिकारी व अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी फलदार पौधे लगाए।

केले के बाग का निरीक्षण करते डीसी, एसपी और कुलपति व अन्य। - अमर उजाला

पौधरोपण करते मुख्य अतिथि जिला उपायुक्त अशोक कुमार मीणा। - अमर उजाला

तीन साल के अंदर फल देने वाली किस्म है पलम

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि जैविक बाग में पलम की काला अमृतसरी किस्म का पौधरोपण किया गया है। यह कम फैलाव, जल्दी बढ़ने वाली तथा तीन साल के अंदर फल देने वाली किस्म है। लोगों की धारणा है कि हिसार में केले नहीं उत्पन्न हो सकते। इसके विपरित विश्वविद्यालय में केले की जी-9 (ग्रैंड नेने) की किस्म लगाई गई है, जिसने छह महीने में ही फल देने शुरू कर दिए हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय इन फलों को आम लोगों को एचएयूमार्ट के माध्यम से उपलब्ध करवाएगा। दीनदयाल उपाध्याय जैविक उत्कृष्ट केंद्र के लिए बिजली की उपलब्धता सोलर पैनल के माध्यम से की जाएगी।

अमरुद की तीन किस्में लगाई

नियंत्रण अधिकारी डॉ. आरके झोरड़ ने बताया कि बाग में अमरूद की तीन किस्में वीएनआर (बीही), हिसार सफेदा व हिसार सुरखा लगाई गई हैं। वीएनआर (बीही) पहली बार हिसार में लगाई गई है। इसके फल का वजन एक किलो के करीब हो जाता है। ब्राजील स्वीट ओरेंज की पांच किस्में हैमलिन, वैस्टिन, नटाल, पेरा व वेलेंसिया लगाई गई हैं। इनमें बीज की मात्रा न के बराबर है। अनार की चार किस्में लगाई गई हैं, जिनमें भगवा, मृदुला, अरकता व गणेश 137 शामिल हैं। नींबू की दो किस्में कागजी कलां व बारामासी लगाई गई हैं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 3.10.2019 पृष्ठ सं 9 कॉलम 2-5

एचएयू में दीनदयाल उपाध्याय जैविक उत्कृष्ट केन्द्र में 150 एकड़ में जैविक खेती

महात्मा गांधी की 150वीं और पूर्व पीएम लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर पौधरोपण किया

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू स्थित दीनदयाल उपाध्याय जैविक उत्कृष्ट केंद्र में जैविक फलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए लगातार विभिन्न फलों के पौधे लगाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार को एचएयू कुलपति प्रो. केपी सिंह की अध्यक्षता में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के उपलक्ष्य पर पलम की काला अमृतसरी किस्म के जैविक बाग का पौधरोपण किया गया।

इस अवसर पर डीसी अशोक कुमार मीणा मुख्य अतिथि तथा एसपी शिवचरण शर्मा विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। इस अवसर पर डीसी अशोक कुमार मीणा कहा कि आज जैविक खेती समय की मांग है। आज के समय में पेस्टिसाइड व केमिकल फर्टिलाइजर के अधिक व अनावश्यक प्रयोग के कारण हमारे खाद्य पदार्थों में भी जहरीले तत्व पाये जा रहे हैं।

हिसार | केले के बाग का निरीक्षण करते मुख्य अतिथि तथा कुलपति प्रो. के.पी.सिंह।

केले की जी-9 की किस्म लगाई, छह महीने में ही फल देने शुरू : कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि पेस्टिसाइड व केमिकल फर्टिलाइजर के दुष्प्रभाव से मनुष्य के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है जिससे जानलेवा बीमारियां दिनोंदिन बढ़ती जा रही हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए एचएयू में दीनदयाल उपाध्याय जैविक उत्कृष्ट केन्द्र लगभग 150 एकड़ में स्थापित किया है।

एक किलो वजनी अमरूद की लगाई किस्में : नियंत्रण अधिकारी डॉ. आरके झोरड़ ने बताया कि बाग में अमरूद की तीन किस्में वीएनआर (बीही), हिसार सफेदा व हिसार सुरखा लगाई गई हैं। वीएनआर (बीही) पहली बार हिसार में लगाई गई है। इसके फल का वजन एक किलो के करीब हो जाता है। इनमें बीज की मात्रा न के बराबर है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पंजाब केसरी
दिनांक 3.10.2019 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 1-6

खेतीबाड़ी

जैविक फलों की खेती को बढ़ावा देगा हकृवि

150 एकड़ में है विवि. का पहला जैविक उत्कृष्ट केन्द्र

हिसार, 2 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थित दीनदयाल उपाध्याय जैविक उत्कृष्ट केन्द्र में जैविक फलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए लगातार विभिन्न फलों के पौधे रोपित किए जा रहे हैं।

इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह की अध्यक्षता में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150 वीं व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के उपलक्ष्य पर पलम की काला अमृतसरी किस्म का पौधारोपण किया गया। मुख्यातिथि उपायुक्त अशोक कुमार मीणा कहा कि आज जैविक खेती समय की मांग है। आज के समय में पैस्टीसाइड व कैमिकल फर्टीलाइजर के अधिक व अनावश्यक प्रयोग के कारण हमारे खाद्य पदार्थों में भी जहरीले तत्व पाए जा रहे हैं जिनसे हमारे स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है। इन कैमिकल्स के दुष्प्रभाव से बचने के लिए विश्वविद्यालय ने लगभग 150 एकड़ और अपनी तरह का देश में पहला जैविक उत्कृष्ट केंद्र की स्थापना की है, जो अपने आप में सराहनीय उपलब्धि है।

केले के बाग का निरीक्षण करते मुख्यातिथि, विशिष्टातिथि तथा कुलपति प्रो. के.पी. सिंह।

रासायनिक खेती से हटकर जैविक खेती से जुड़ें : कुलपति

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने बताया कि पैस्टीसाइड व कैमिकल फर्टीलाइजर के दुष्प्रभाव से मनुष्य के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ने के साथ-साथ पर्यावरण व मृदा व जल दूषित हो रहा है, जिससे जानलेवा बीमारियां दिनोंदिन बढ़ती जा रही हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय में दीनदयाल उपाध्याय जैविक उत्कृष्ट केंद्र लगभग 150 एकड़ में स्थापित किया है तथा इसमें अन्य फसलों के अलावा 20 एकड़ क्षेत्र में जैविक फलों की खेती की जा रही है। इस सारे बाग में ड्रिप प्रणाली से सिंचाई की जा रही है। इस जैविक केंद्र का मुख्य उद्देश्य जैविक खेती की समग्र सिफारिशें विकसित करके किसानों तक पहुंचाना तथा उन्हें जागरूक करना है ताकि वे रासायनिक खेती से हटकर जैविक खेती से जुड़ें।

दीनदयाल उपाध्याय जैविक उत्कृष्ट केन्द्र में लगाए नई किस्म के पौधे

कुलपति ने बताया कि 20 एकड़ के जैविक बाग में आज पलम की काला अमृतसरी किस्म का पौधारोपण किया गया है। यह कम फैलाव, जल्दी बढ़ने वाली तथा 3 साल के अन्दर फल देने वाली किस्म है। लोगों की धारणा कि हिसार में केले नहीं उत्पन्न हो सकते के विपरीत विश्वविद्यालय में केले की जी-9 (ग्रैंड नेने) की किस्म लगाई गई है, जिसने 6 महीने में ही फल देने शुरू कर दिए हैं। नियंत्रण अधिकारी डा. आर.के. झोरड़ ने बताया कि बाग में अमरूद की 3 किस्में वी.एन.आर. (बीही), हिसार सफेदा व हिसार सुरखा लगाई गई हैं। वी.एन.आर.(बीही) पहली बार हिसार में लगाई गई है। इसके फल का वजन एक किलो के करीब हो जाता है। ब्राजील स्वीट ऑरेंज की 5 किस्में हैमलिन, वैस्टिन, नटाल, पेरा व वेलेंसिया लगाई गई हैं। इनमें बीज की मात्रा न के बराबर है। अनार की चार किस्में लगाई गई हैं, जिनमें भगवा, मृदुला, अरकता व गणेश 137 शामिल हैं। नींबू की 2 किस्में कागजी कला व बारामासी लगाई गई हैं।

डी.सी. व एस.पी. ने किया निरीक्षण

मुख्यातिथि जिला उपायुक्त अशोक कुमार मीणा तथा विशिष्टातिथि पुलिस अधीक्षक शिवचरण शर्मा ने दीनदयाल उपाध्याय जैविक उत्कृष्ट केंद्र का दौरा किया तथा केले के बाग में लगे हुए फलों का निरीक्षण किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 3.10.2019 पृष्ठ सं. 15 कॉलम 2-4

सराहनीय | वर्तमान में जैविक खेती समय की मांग : अशोक कुमार मीणा

हकृवि में पलम का जैविक बाग लगाया

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थित दीनदयाल उपाध्याय जैविक उत्कृष्ट केन्द्र में जैविक फलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए लगातार विभिन्न फलों के पौधे रोपित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की अध्यक्षता में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150 वीं व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के उपलक्ष्य पर पलम की काला अमृतसरी किस्म के जैविक बाग का पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर जिला उपायुक्त अशोक कुमार मीणा मुख्य अतिथि तथा पुलिस अधीक्षक शिवचरण शर्मा विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डीसी अशोक कुमार मीणा कहा कि आज जैविक खेती समय की मांग है। आज के समय में पैस्टिसाइड व कैमिकल फर्टिलाइजर के अधिक व अनावश्यक प्रयोग के कारण हमारे खाद्य पदार्थ में भी जहरीले तत्व पाए जा रहे हैं जिनसे हमारे स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है। इन कैमिकल्स के दुष्प्रभाव से बचने के लिए विश्वविद्यालय ने लगभग 150 एकड़ और अपनी तरह का देश में पहला जैविक उत्कृष्ट केन्द्र की स्थापना की है, जो अपने आप में सराहनीय उपलब्धि है। इसके लिए विश्वविद्यालय बधाई का पात्र है। जो न केवल आने वाली पीढ़ी को जागरूक करने व जहर मुक्त खाद्य पदार्थ उपलब्ध करवाने के लिए प्रयासरत है।

विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक शिवचरण शर्मा ने जैविक उत्कृष्ट केन्द्र के जैविक बाग में विश्वविद्यालय द्वारा कम पानी में अधिक उत्पादन के लिए प्रयोग में लाई जा रही उप-सतही जल निकासी प्रणाली, स्वचालित सूक्ष्म सिंचाई, एचडीपीई तालाब की सराहना की।

केले के बाग का निरीक्षण करते मुख्यअतिथि, विशिष्ट अतिथि तथा कुलपति प्रो. केपी सिंह।

ये है बाग की स्थिति

- बाग में अमरूद की तीन किस्में वीएनआर (बीही), हिसार सफेदा व हिसार सुरखा लगाई गई हैं। वीएनआर (बीही) पहली बार हिसार में लगाई गई है। इसके फल का वजन एक किलो के करीब हो जाता है। ब्राजील स्वीट ओरेंज की पांच किस्में हैमलिन, वैस्टिन, नटाल, पेरा व वेलेंसिया लगाई गई हैं।
- अनार की चार किस्में लगाई गई हैं जिनमें भगवा, मृदुला, अरकता व गणेश 137 शामिल हैं।
- नीबू की दो किस्में कागजी कला व बारामासी लगाई गई हैं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....[illegible] टाइम्स.....
दिनांक.....2.10.2019..... पृष्ठ सं.....8..... कॉलम.....1-5.....

जैविक खेती समय की मांग : उपायुक्त

हिसार, 2 अक्तूबर (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थित दीनदयाल उपाध्याय जैविक उत्कृष्ट केन्द्र में जैविक फलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए लगातार विभिन्न फलों के पौधे रोपित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की अध्यक्षता में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150 वीं व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की

दीनदयाल उपाध्याय जैविक उत्कृष्ट केन्द्र में पलम के जैविक बाग का पौधारोपण

जयंती के उपलक्ष पर पलम की काला अमृतसरी किस्म के जैविक बाग का पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त अशोक कुमार मीणा मुख्य अतिथि तथा पुलिस अधीक्षक शिवचरण शर्मा विशिष्ट

अतिथि के तौर पर उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि उपायुक्त अशोक कुमार मीणा ने कहा कि आज जैविक खेती समय की मांग है। आज के समय में पेस्टीसाइड व कैमिकल फर्टिलाइजर के अधिक व अनावश्यक प्रयोग के कारण हमारे खाद्य पदार्थों में भी जहरीले तत्व पाये जा रहे हैं जिनसे हमारे स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है। इन कैमिकल्स के दुष्प्रभाव से बचने के लिए विश्वविद्यालय ने लगभग 150 एकड़ और अपनी तरह का देश में पहला जैविक उत्कृष्ट केन्द्र की स्थापना की है जो अपने आप में सराहनीय उपलब्धि है इसके लिए विश्वविद्यालय बधाई का पात्र है जो न केवल आने वाली पीढ़ी को जागरूक करने व जहर मुक्त खाद्य पदार्थ उपलब्ध करवाने के लिए प्रयासरत है। विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक शिवचरण शर्मा ने जैविक उत्कृष्ट केन्द्र के जैविक बाग में विश्वविद्यालय द्वारा कम पानी में अधिक उत्पादन के लिए प्रयोग में लाई जा रही उप-सतही जल निकासी प्रणाली, स्वचालित सूक्ष्म सिंचाई, एचडीपीई तालाब और झील अस्तर, सौर पंपिंग प्रणाली आदि जैसे विभिन्न विकास गतिविधियों की सराहना की। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि पेस्टीसाइड व कैमिकल फर्टिलाइजर के दुष्प्रभाव से मनुष्य के स्वास्थ्य पर विपरित प्रभाव पड़ने के साथ-साथ पर्यावरण व मृदा व जल दुषित हो रहा है जिससे जानलेवा बीमारियां दिनोंदिन बढ़ती जा रही हैं। इसी को ध्यान में रखते हुये विश्वविद्यालय में दीनदयाल उपाध्याय जैविक उत्कृष्ट केन्द्र लगभग 150 एकड़ में स्थापित किया है तथा इसमें अन्य फसलों के अलावा 20 एकड़ क्षेत्र में जैविक फलों की खेती की जा रही है। इस सारे बाग में ड्रिप प्रणाली से सिंचाई की जा रही है। इस जैविक केन्द्र का मुख्य उद्देश्य जैविक खेती की समग्र सिफारिशें विकसित करके किसानो तक पहुंचाना तथा उन्हें जागरूक करना है ताकि वे रासायनिक खेती से हटकर जैविक खेती से जुड़ें।

प्रो. सिंह ने बताया कि 20 एकड़ के जैविक बाग में आज पलम की काला अमृतसरी किस्म का पौधारोपण किया गया है। यह कम फैलाव, जल्दी बढ़ने वाली तथा तीन साल के अन्दर फल देने वाली किस्म है। लोगों की धारणा कि हिसार में केले नहीं उत्पन्न हो सकते के विपरीत विश्वविद्यालय में केले की जी-9 (ग्रैंड नैने) की किस्म लगाई गई है जिसने छः महीने में ही फल देने शुरू कर दिये हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय इन फलों को आम लोगों को एचएयूमार्ट के माध्यम से उपलब्ध करवायेगा। दीनदयाल उपाध्याय जैविक उत्कृष्ट केन्द्र के लिए बिजली की उपलब्धता सोलर पैनल के माध्यम से की जायेगी। नियंत्रण अधिकारी डॉ. आर. के. झोरड़ ने बताया कि बाग में अमरूद की तीन किस्में वीएनआर (बीही), हिसार सफेदा व हिसार सुरखा लगाई गई है। वीएनआर (बीही) पहली बार हिसार में लगाई गई है। इसके फल का वजन एक किलो के करीब हो जाता है। ब्राजील स्वीट ऑरेंज की पांच किस्में हैमलिन, वैस्टिन, नटाल, पेरा व वेलेंसिया लगाई गई है। इनमें बीज की मात्रा न के बराबर है। अनार की चार किस्में लगाई गई है जिनमें भगवा, मृदुला, अरक्ता व गनेश 137 शामिल है। नींबू की दो किस्में कागजी कलां व बारामासी लगाई गई हैं। मुख्य अतिथि जिला उपायुक्त अशोक कुमार मीणा तथा विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक शिवचरण शर्मा ने दीनदयाल उपाध्याय जैविक उत्कृष्ट केन्द्र का दौरा किया तथा केले के बाग में लगे हुये फलों का निरीक्षण किया। उन्होंने जीवामृत, घनजीवामृत व नीमास्त्र बनाने की विधि के बारे में भी विस्तृत जानकारी ली।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के ओएसडी, रजिस्ट्रार, डीन, डायरेक्टर, संपदा अधिकारी व अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी फलदार पौधे लगाए।

समाचार पत्र का नाम सिटी पल्स

दिनांक 2.10.2019 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 1-8

दीनदयाल उपाध्याय जैविक उत्कृष्ट केन्द्र में पलम के जैविक बाग का पौधा रोपण

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थित दीनदयाल उपाध्याय जैविक उत्कृष्ट केन्द्र में जैविक फलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए लगातार विभिन्न फलों के पौधे रोपित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह की अध्यक्षता में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के उपलक्ष्य पर पलम की उन्नत अनुराधी किस्म के जैविक बाग का पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त अशोक कुमार मीणा मुख्य अतिथि तथा पुलिस अधीक्षक शिवचरण शर्मा विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि मीणा ने कहा कि आज जैविक खेती समय की मांग है। आज के समय में पेस्टिसाइड व केमिकल फर्टिलाइजर के अधिक व अनावश्यक प्रयोग के कारण हमारे खाद्य पदार्थों में भी जहरीले तत्व पाये जा रहे हैं जिससे हमारे स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है। इन केमिकल्स के दुष्प्रभाव से बचने के लिए विश्वविद्यालय ने लगभग 150 एकड़ और अपनी तरह का देश में

पहला जैविक उत्कृष्ट केन्द्र की स्थापना की है जो अपने आप में सराहनीय उपलब्धि है इसके लिए विश्वविद्यालय बधाई का पात्र है जो न केवल आने वाली पीढ़ी को जागरूक करने व जहर मुक्त खाद्य पदार्थ उपलब्ध करवाने के लिए प्रयासरत है। विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक शिवचरण शर्मा ने जैविक उत्कृष्ट केन्द्र के जैविक बाग में विश्वविद्यालय द्वारा कम पानी में अधिक उत्पादन के लिए प्रयोग में लाई जा रही आधुनिक जल सिंचाई प्रणाली, भावलित सूक्ष्म सिंचाई, एलईडी [illegible] और ग्रीन हाउस, सौर पम्पिंग प्रणाली आदि जैसी विभिन्न विकास गतिविधियों की सराहना की। कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने बताया कि पेस्टिसाइड व केमिकल फर्टिलाइजर के दुष्प्रभाव से मनुष्य के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ने के साथ-साथ पर्यावरण व मृदा व जल दूषित हो रहा है जिससे जानलेवा बीमारियां दिनों दिन बढ़ती जा रही हैं।

प्रो. सिंह ने बताया कि 20 एकड़ के जैविक बाग में आज पलम की उन्नत अनुराधी किस्म का पौधारोपण किया गया है। यह कम फैलाव, जल्दी पकने वाली तथा तीन साल के अन्दर फल देने वाली किस्म है। लोगों की धारणा थी कि हिसार में केले नहीं उगाए जा सकते के विपरीत विश्वविद्यालय में केले की जी-9 (ग्रैंड नैनी) की किस्म लगाई गई है जिसने छह महीने में ही फल देने शुरू कर दिए हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय इन फलों को आम लोगों को [illegible] के माध्यम से उपलब्ध करवायेगा। दीनदयाल उपाध्याय जैविक उत्कृष्ट केन्द्र के लिए बिजली की उपलब्धता सोलर प्लांट के माध्यम से की जायेगी। निदेशक अधिकारी डॉ. आर. के. झोरड़ ने बताया कि बाग में अमरूद की तीन किस्में बीएनआर (बीही), हिसार सफेदा व हिसार सुर्खा लगाई गई है। बीएनआर (बीही) [illegible] बार हिसार में

नींबू की दो किस्में कागजी कलां व बारामासी लगाई गई

लगाई गई है। इसके फल का वजन एक किलो के करीब हो जाता है। [illegible] की पांच किस्में [illegible], नटाल, [illegible] व [illegible] लगाई गई है। [illegible] अनार की चार किस्में लगाई गई हैं जिनमें भगवा, मृदुला, आरक्ता व [illegible] 137 शामिल हैं। नींबू की दो किस्में कागजी कलां व बारामासी लगाई गई है।

उस अवसर पर विश्वविद्यालय के ओएसडी, रजिस्ट्रार, डीन, डायरेक्टर, [illegible] अधिकारी व अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी [illegible] पौधे लगाए।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर, अमर उजाला

दिनांक 2.10.2019 पृष्ठ सं 6, 5 कॉलम 4-5, 5

एचएयू: इनोवेटिव आइडियाज के प्रोत्साहन के लिए होगा अभियान

'इंस्टीट्यूशनल इनोवेशन सेल' द्वारा इनोवेशन अभियान का आयोजन

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू में स्थापित 'इंस्टीट्यूशनल इनोवेशन सेल' द्वारा इनोवेशन अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इंस्टीट्यूशनल इनोवेशनल सेल का उद्देश्य युवा छात्रों के प्रारंभिक वर्षों में उनके इनोवेटिव आइडियाज को प्रोत्साहित, प्रेरित और पोषण कर आने वाले वर्षों में एक नए स्तर पर ले जाना है। इंस्टीट्यूशनल इनोवेशनल सेल की अध्यक्षा डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर के दौरान इस कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय स्तर पर किया जाएगा। इस अभियान के दौरान स्लोगन, वाद-विवाद, निबंध लेखन, पोस्टर प्रतियोगिता आदि विभिन्न गतिविधियां होंगी।

इस अभियान में हिसार जिले के अटल टिंकरिंग सेंटर के अंतर्गत आने वाले दो गांव गंगवा व नलवा के स्कूल के बच्चे भी हिस्सा लेंगे। इस दौरान इन बच्चों को इंस्टीट्यूशनल इनोवेशनल सेल का भ्रमण भी करवाया जाएगा व विवि के भिन्न-भिन्न कॉलेजों में हुई इनोवेशंस से अवगत करवाया जाएगा। साथ-साथ एक प्रश्नोत्तरी रखी जाएगी, ताकि बच्चों की जिज्ञास्य का समाधान किया जा सके।

एचएयू में 15 दिवसीय इनोवेशन अभियान शुरू

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित 'इंस्टीट्यूशनल इनोवेशन सेल' द्वारा मंगलवार को इनोवेशन अभियान का शुभारंभ किया गया। सेल का उद्देश्य युवा छात्रों के प्रारंभिक वर्षों में उनके इनोवेटिव आइडियाज को प्रोत्साहित, प्रेरित व पोषण करके आने वाले वर्षों में एक नए स्तर पर ले जाना है।

सेल की अध्यक्षा डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन 15 अक्तूबर तक विश्वविद्यालय स्तर पर किया जाएगा। अभियान के दौरान स्लोगन, वाद-विवाद, निबंध लेखन, पोस्टर प्रतियोगिता आदि विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम नित्य शक्ति टाईम्स
दिनांक 1.10.2019 पृष्ठ सं 3 कॉलम 1-2

विश्वविद्यालय स्तर पर होगा इनोवेशन अभियान आयोजित

हिसार, 1 अक्तूबर (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित 'इंस्टिट्यूशनल इनोवेशन सेल' की ओर से इनोवेशन अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इंस्टिट्यूशनल इनोवेशनल सेल का उद्देश्य युवा छात्रों के प्रारंभिक वर्षों में उनके इनोवेटिव आइडियाज को प्रोत्साहित, प्रेरित व पोषण करके आने वाले वर्षों में एक नए स्तर पर ले जाना है। इंस्टिट्यूशनल इनोवेशनल सेल की अध्यक्षा डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन 1 से 15 अक्तूबर के दौरान होगा। इस कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय स्तर पर किया जाएगा। इस अभियान के दौरान स्लोगन, वाद-विवाद, निबंध लेखन, पोस्टर प्रतियोगिता आदि विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएगी।

इस अभियान में हिसार जिले के अटल टिंकरिंग सेंटर के अंतर्गत आने वाले दो गांव गंगवा व नलवा के स्कूल के बच्चे भी भाग लेंगे। इस दौरान इन वच्चों को इंस्टिट्यूशनल इनोवेशनल सेल का भ्रमण भी करवाया जाएगा व विश्वविद्यालय के भिन्न-भिन्न कॉलेजों में हुई इनोवेशंस से अवगत करवाया जाएगा। साथ-साथ एक प्रश्नोत्तरी रखी जाएगी ताकि बच्चों की जिज्ञास्य का समाधान किया जा सके।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 3.10.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 2

एचएयू का होमसाइंस कॉलेज

हिसार | एचएयू के होमसाइंस कॉलेज में गांधी जयंती पर स्वच्छता पखवाड़ा के तहत शपथ ग्रहण समारोह आर्मी विंग के कैडेट्स ने आयोजित किया। इस उपलक्ष्य में कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढाण्डा, एनसीसी प्रभारी डॉ. वीनू सांगवान एवं अन्य अध्यापकगण मौजूद रहे।